DAINIK BHASKAR, Surat, 4.10.2021
Page No. 1, Size:(11.46)cms X (7.84)cms.

कोरोना के बाद दो अच्छी खबरें: बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहला सेगमेंट तैयार, एयरपोर्ट पर भी हलचल बढ़ी

बुलेट ट्रेन: हाई स्पीड रेल मार्ग के लिए तैयार हुए 30 पिलर्स

प्रोजेक्ट का सबसे तेजी से काम सूरत-वापी के बीच

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

अहमदाबाद-मुंबई 508 किमी बुलेट ट्रेन परियोजना का दक्षिण गुजरात में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। इस प्रोजेक्ट के पैकेज सी-4 में वापी-सूरत-वडोदरा के बीच पिलर्स भी बनने शुरू हो गए हैं। इसी के साथ अब नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सूरत-नवसारी बुलेट सेक्शन के बीच इस रूट का पहला सेगमेंट तैयार कर लिया है। यह सेगमेंट बुलेट ट्रेन के एलिवेटेड मार्ग में इस्तेमाल होगा। इन्हीं सेगमेंट्स पर बुलेट ट्रेन चलेगी। जबकि गर्डर अलग से बनाए जाएंगे। एनएचएसआरसीएल ने बताया कि साल 2026 में सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा के बीच 63 किमी रूट पर बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन भी किया जाना है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का सबसे तेजी से काम सूरत-नवसारी-वापी के बीच किया जा रहा है। इस रूट में कुल अब तक 30 पिलर्स भी बना लिए गए हैं। जबकि सूरत में अकेले कुल 80 पिलर्स फाउंडेशन भी बना लिए गए हैं।

यह सेगमेंट बुलेट ट्रेन के एलिवेटेड मार्ग में इस्तेमाल किया जाएगा

11.90-12.4	2.1 -2.5	3.40	60	एक स्पान में कुल 19 सेगमेंट	45 मीटर
मीटर लंबाई	मीटर चौड़ाई	मीटर डेप्थ	मीट्रिक टन वजन		स्पान की लंबाई

19 सेगमेंट मिलाकर बनेगा एक स्पान

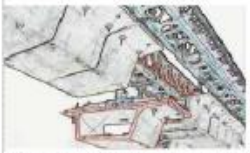

बुलेट ट्रेन के लिए जो पहला सेगमेंट तैयार किया गया है वह 12.4 मीटर लंबा और 2.5 मीटर चौड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि दो पिलर्स के बीच में कई सेगमेंट मिलाकर एक वायडक्ट बनता है, जिस पर ट्रेन चलती है। बुलेट ट्रेन रूट में दो पिलर्स के बीच 19 सेगमेंट मिलाकर एक स्पान बनेगा। इसी का पहला सेगमेंट हमने सूरत-नवसारी सेक्शन में तैयार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए वापी, वलसाड और सूरत में प्री-कास्टिंग यार्ड बनाए जा रहे हैं। इसमें सूरत में प्री-कास्टिंग यार्ड लगभग तैयार है।

दिन-रात हो रहा काम

बुलेट ट्रेन रूट के पैकेज सी-4 का पहला सेगमेंट ढाल दिया गया है। अब लगातार ऐसे सेगमेंट बनेंगे। क्योंकि हमने वलसाड से सूरत के बीच अब तक लगभग 30 पिलर्स बना लिए हैं। जबकि अन्य पिलर्स के लिए फाउंडेशन बनाने का काम शुरू है। इसके लिए रात-दिन काम किया जा रहा है। सूरत से वलसाड के बीच कुल 1000 मशीनरी और 7000 कर्मचारी काम में लगे हुए हैं। इसके लिए दिन-रात काम हो रहा है। **- सुषमा गौड़,** एजीएम, एनएचएसआरसीएल